



Hargharpanditji

"PUJA ON YOUR SCREEN, BLESSINGS
AT YOUR DOOR"



॥ गणेश जी की स्थापना विधि ॥

FULL DISCLAIMER

This book is for educational, inspirational, and cultural purposes only. The remedies, rituals, affirmations, breathing methods, and spiritual practices described are based on traditional beliefs, historical customs, and personal development principles. They are not guaranteed solutions.

This book does not replace advice from licensed doctors, psychologists, financial advisors, lawyers, or other qualified professionals. If you have medical symptoms, mental health concerns, legal matters, or financial risk, seek professional help.

Use all remedies responsibly, ethically, peacefully, and according to local law. Do not use fire, herbs, fasting, incense, or physical practices in unsafe ways. The author and publisher are not liable for misuse.

Results in life depend on effort, discipline, timing, environment, skill, and many other factors. No spiritual method guarantees money, marriage, success, healing, or protection.

Hargharpanditji

"PUJA ON YOUR SCREEN, BLESSINGS
AT YOUR DOOR"

॥ गणेश जी की स्थापना विधि ॥

गणेश चतुर्थी के दिन भगवान गणेश की प्रतिमा की स्थापना श्रद्धा और विधि-विधान से की जाती है। धार्मिक मान्यता के अनुसार, गणपति जी की स्थापना एवं पूजा करने से घर में सुख-समृद्धि आती है और विघ्न-बाधाएं दूर होने की कामना की जाती है।

गणेश जी की स्थापना से पहले तैयारी

पूजा के लिए घर के ईशान कोण (उत्तर-पूर्व दिशा) या स्वच्छ एवं शांत स्थान का चयन करें।

पूजा स्थल को साफ करके गंगाजल या शुद्ध जल से पवित्र करें।

चौकी पर स्वच्छ लाल या पीला कपड़ा बिछाएं।

चौकी के आसपास सुंदर रंगोली बना सकते हैं।

पूजा की सभी आवश्यक सामग्री पहले से तैयार रखें।

गणेश प्रतिमा स्थापित करने की विधि

चौकी की तैयारी

सबसे पहले चौकी पर स्वच्छ वस्त्र बिछाएं। इसके ऊपर थोड़े अक्षत रखकर भगवान गणेश की प्रतिमा स्थापित करने के लिए स्थान तैयार करें।

कलश स्थापना

गणेश जी की प्रतिमा के पास कलश स्थापित करें। कलश में जल भरकर उसमें अक्षत, सुपारी और सिक्का डालें तथा ऊपर आम या अशोक के पत्ते और नारियल रखें।

गणेश प्रतिमा स्थापित करें

भगवान गणेश की प्रतिमा को आदरपूर्वक चौकी पर स्थापित करें। प्रतिमा का मुख सामान्यतः पूर्व या उत्तर दिशा की ओर रखना शुभ माना जाता है। भक्त पूजा करते समय पूर्व या उत्तर दिशा की ओर मुख करके बैठ सकते हैं।

भगवान गणेश का आवाहन

हाथ में अक्षत और पुष्प लेकर भगवान गणेश का ध्यान करें और उनका आवाहन करें।

मंत्रः

ॐ गं गणपतये नमः।

इसके बाद पुष्प और अक्षत गणेश जी को अर्पित करें।

पूजन सामग्री अर्पित करें

गणेश जी को चंदन, सिंदूर, अक्षत, लाल पुष्प और दूर्वा अर्पित करें। इसके बाद धूप और दीप प्रज्वलित करें।

नैवेद्य अर्पित करें

भगवान गणेश को मोदक, लड्डू, फल और अन्य सात्विक नैवेद्य अर्पित करें। गणेश जी को मोदक विशेष रूप से प्रिय माने जाते हैं।

आरती एवं प्रार्थना

पूजा के अंत में गणेश जी की आरती करें और परिवार की सुख-शांति, समृद्धि तथा सभी शुभ कार्यों में सफलता के लिए प्रार्थना करें।

स्थापना के समय ध्यान रखने योग्य बातें

गणेश जी की प्रतिमा को स्वच्छ और सम्मानजनक स्थान पर रखें। संभव हो तो मिट्टी की पर्यावरण-अनुकूल प्रतिमा स्थापित करें। पूजा स्थल पर नियमित रूप से दीपक जलाएं और स्वच्छता रखें। गणेश जी को दूर्वा और मोदक अर्पित करना शुभ माना जाता है। प्रतिमा की स्थापना के बाद श्रद्धापूर्वक नियमित पूजा करें।